Seat No. : _____

NF-120 (H)

November-2021

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(Rural Sociology)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

विभाग– I

निर्देश : (1) नीचे दिये गये प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** प्रश्नों के उत्तर दीजिये ।

(2) दायीं ओर दिये गये अंक प्रश्नों के गुणांक सूचित करते हैं ।

1. ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ देकर उसका कार्यक्षेत्र बताइये । **14**

2. ग्रामीण समाजशास्त्र का अर्थ देकर, उसका महत्त्व स्पष्ट कीजिये । **14**

3. ग्रामीण समुदाय का अर्थ देकर उसकी विशेषताएँ बताइये । **14**

4. सामाजिक सर्वेक्षण का अर्थ देकर उसके लक्षण बताइये । **14**

5. ग्रामीण अर्थव्यवस्था का स्वरूप बताइये । **14**

6. भूमि समस्या का अर्थ देकर उनके कारण बताइये । **14**

7. ग्रामीण विकास के अंतर्गत पंचायती राज की भूमिका बताइये । **14**

8. ग्रामीण समाज के परिवर्तन में सहायक कारक बताईये । **14**

विभाग – II

9. नीचे दिये गये रिक्त स्थानों में से कोई भी **चार** रिक्त स्थानों के जवाब दीजिये : **8**

(1) ग्रामीण समाजशास्त्र का उद्‌भव _____ शताब्दी में हुआ ।

(अठारहवीं, उन्नीसवीं, बीसवीं)

(2) _____ भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र के ऊपर प्रथम पाठ्यपुस्तक है ।

(भारत में ग्रामीण समाजशास्त्र का परिचय, इण्डियाज विलेज, विलेज इण्डिया)

(3) गाँव _____ समूह है ।

(दूरवर्ती, प्राथमिक, औपचारिक)

(4) ग्रामीण समुदाय के नींव की इकाई _____ है ।

(जाति, धर्म, संयुक्त कुटुंब)

(5) गाँव का व्यवसायिक ढाँचा _____ पर आधारित है ।

(वर्ग, जाति, धर्म)

(6) कृषि का आधुनिकीकरण अर्थात् _____

(भूमि सुधार, प्रकृतियुक्त व्यवसाय, स्थानांतर)

(7) पंचायती राज अर्थात् _____

(सत्ता का केन्द्रीकरण, सत्ता का विकेन्द्रीकरण, सत्ता का अमलीकरण)

(8) _____ ग्रामीण सामाजिक परिवर्तन का अवरोधकीय घटक है ।

(निरक्षरता, राष्ट्रीय आंदोलन, समुदाय विकास योजना)

_____

Seat No. : _____

NF-120 (H)

November-2021

B.A., Sem.-V

CC-305 : Sociology

(EB : Religion of Sociology)

Time : 2 Hours] **[Max. Marks : 50**

(Hindi Version)

विभाग – I

नीचे दिये गये प्रश्नों में से किन्हीं **तीन** के उत्तर दीजिये :

1. धर्म का समाजशास्त्र का अर्थ देकर, इसकी विषय–वस्तु बताइये । **14**

2. भारत में धर्म का समाजशास्त्र का उद्‌भव और विकास समझाइये । **14**

3. धर्म की व्याख्या देकर, धर्म की विशेषताएँ बताइये । **14**

4. धर्म के कार्य और विकार्य समझाइये । **14**

5. इमाईल दुर्खिम का धर्म का कार्यात्मकवादी अर्थघटन समझाइये । **14**

6. मैक्स वेबर के धर्म के घटनाशास्त्रीय अर्थघटन की चर्चा करें । **14**

7. ईसाई धर्म का अर्थ देकर, इसका भारतीय समाज पर असर बताइये । **14**

8. इस्लाम धर्म का अर्थ देकर इसके आधारस्तंभ बताईये । **14**

विभाग – II

9. नीचे दिये गये कथन सही हैं या गलत बताइये : (कोई भी **चार**) **8**

   (1) धर्म का समाजशास्त्र सामाजिक विज्ञान नहीं है ।

   (2) धर्म मानव समाज की महत्त्व की संस्था है ।

(3) अलौकिक चीजें हमेशा पवित्र मानते हैं ।

(4) सामाजिक नियंत्रण का कार्य सामाजिक एकता को तोड़ना है ।

(5) भारत में हिन्दू धर्म की जनसंख्या सबसे ज्यादा है ।

(6) ईसाई धर्म के अनुसार शरीर ईश्वर का मंदिर है ।

(7) हिन्दू धर्म में वर्ण व्यवस्था है ।

(8) बाईबल के अनुसार विश्व जगत अलौकिक सर्जन है ।